हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 जुलाई, 2025

11 50,000 शिव भक्तों के लिए आचमन किया गया तैयार

12 बरसाती पानी की निकासी में कोताही बर्दाश्त नहीं...

खबर संक्षेप

केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन लांच की

चरखी दादरी। प्रदेश सरकार के दिशा निर्देश अनुसार सभी बीपीएल, एएवाई राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी की जानी है ताकि भविष्य में सरकार की योजनाओं का लाभ लिया जा सके, जिसके लिए सरकार द्वारा सभी बीपीएल, एएवाई लाभार्थियों की ई-केवाईसी करने के लिए मेरा केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन लांच की गई है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सभी बीपीएल/एएवाई राशन कार्ड धारक अपने मोबाईल पर ही ई-केवाईसी कर सकते है।

प्रवेश परीक्षा 13 दिसंबर को आयोजित होगी

चरखी दादरी। जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना में आगामी सत्र 2026-27 के दौरान कक्षा छठी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। छठी कक्षा में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसंबर शनिवार को सुबह साढ़े 11 बजे आयोजित होगी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत पूर्णतया आवासीय विद्यालय है, जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास उपलब्ध है। इसके अलावा विद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा के साथ भोजन, वर्दी एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है।

बवानीखेड़ा। सोलर कंपनी के मैनेजर पर हमले में क्षतिग्रस्त गाड़ी।

कंपनी के मैनेजर पर हमला, गाड़ी भी तोड़ी

बवानीखेड़ा। सुई-खरखड़ी रोड पर सोमवार को दिनदहाड़े गौतम सोलर कंपनी के मैनेजर दीपक शर्मा पर हमला हुआ। दीपक शर्मा कंपनी के काम से अपनी गाड़ी में जा रहे थे। तभी कुछ अज्ञात युवक रास्ते में आ गए। उन्होंने गाड़ी रुकवाई और दीपक शर्मा के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने गाड़ी को भी तोड़ दिया। इसके बाद दीपक शर्मा को घसीटकर पास के नाले में फेंक दिया। उन्हें गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर दीपक को नाले से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही गौतम सोलर कंपनी से मैनेजर मुनीश कुमार मौके पर पहुंचे। उस दौरान ईआरवी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल मैनेजर को भिवानी के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

झगड़े में हुई मौत मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

चरखी दादरी। शनिवार को शहर की बाल्मीकि बस्ती में दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में कबीर नगर निवासी साहिल की मौत के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। ज्ञात रहे कि शनिवार को बाल्मीकि बस्ती में दो पक्षों में झगड़ा में कबीर नगर निवासी साहिल की मौत हो गई थी। दूसरे पक्ष के लोगों ने साहिल पर लाठी डंडों से हमला किया था। घायल साहिल को सामान्य अस्पताल में दाखिल कराया था लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया था। साहिल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था

29 को होने वाले प्रदर्शन में भाग लेने का किया आह्वान

ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सर्व कर्मचारी संघ से संबद्ध ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन ने बिजली विभाग के अधिकारियों के मनमाने रवैये, कार्यालयी आदेशों की अनदेखी और पक्षपातपूर्ण कार्यशैली के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया तथा सोमवार को स्थानीय बीटीएम चौक स्थित बिजली निगम के सिटी डिवीजन में रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि अधिकारियों द्वारा तकनीकी कर्मचारियों के साथ की जा रही मनमानी तुरंत नहीं रोकी गई, तो प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा।

धरने-प्रदर्शन की अध्यक्षता सिटी यूनिट प्रधान रविंद्र यादव ने की तथा मंच का संचालन सचिव राजेश दुल्हेड़ी व सह सचिव सुखबीर सिंह ने किया। प्रदर्शन के बाद सिटी यूनिट कमेटी की अधीक्षक अभियंता व एग्जक्यूटिव अभियंता से मीटिंग हुई। जिसमें यूनियन की मुख्य मांगें मानने पर सहमति बनी।

रोष प्रदर्शन में मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य सचिव लोकेश एवं वार्ता कमेटी सदस्य विजय जांगड़ा, सीसी मैंबर चांदराम ने संयक्त तौर पर कर्मचारी नीतियों का विरोध जताया तथा ऑनलाइन ट्रांसफर नीति के विरोध में 29 जुलाई को ऑर्डर की प्रतियां जलाकर होने वाले प्रदर्शन में भी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राज्य उपप्रधान राजेश सांगवान, राज्य ऑडिटर धर्मबीर भाटी, सर्कल सचिव अशोक गोयत, राज्य सचिव लोकेश ने कहा कि विभागीय आदेशों के बावजूद भी तकनीकी कर्मचारियों को उनके मूल फील्ड कार्यों से हटाकर जबरन कार्यालयों में तैनात किया जा रहा है, जो पूरी तरह से गलत और कर्मचारी विरोधी कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम न केवल कर्मचारियों के कौशल और अनुभव का दुरुपयोग है, बल्कि इससे फील्ड में आवश्यक तकनीकी सहायता की कमी भी हो रही है, जिसका सीधा असर बिजली आपूर्ति और रखरखाव पर पड़ रहा है।

भिवानी। मांगों को लेकर नारेबाजी करते निगम के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

वरिष्ठ अधिकारियों पर पद के दुरुपयोग-मनमानी के आरोप

यूनियन नेताओं ने वरिष्ठ अधिकारियों पर अपने पद का दुरुपयोग करने और मनमाने ढंग से आदेश जारी करने का भी आरोप लगाया। पदाधिकारियों ने इसे प्रशासनिक प्रक्रिया की गंभीर अवहेलना बताया और कहा कि अधिकारियों द्वारा अपने चहेते कर्मचारियों को मनचाही सीटों पर बिठाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे अन्य कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। यूनियन ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया और अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग के उच्च अधिकारियों की होगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रैस प्रवक्ता अभिषेक शर्मा, मनदीन बेरवाल, मनदीप फौगाट, उमेश, धीरज, शमशेर, समयपाल, रामलाल, अजीत सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

तोशाम। भारी ब्लास्टिंग के बाद मकानों की छत से टूटे टुकड़े। फोटो : हरिभूमि

कंपनी पर ब्लास्टिंग से मकानों को नुकसान पहुंचाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

■ ग्रामीण बोले-एक किलोमीटर के दायरे में पत्थरों की बौछार हुई

खानक के ग्रामीणों ने खनन कंपनी पर भारी ब्लास्टिंग करके उनके मकानों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत उन्होंने आरोपी खनन कंपनी के खिलाफ तोशाम पुलिस को दी है।

गांव खानक के ग्रामीण संजय कुमार, विक्रम, प्रवीण, विनोद, कर्मवीर, वजीर, सतीश, नरेश, संजय जाखड़, राजकुमार, सोमवीर, अभिषेक, रविंद्र, मोती, रामनिवास, सुरेश, अशोक कुमार, मोनू कुमार, पवन कुमार आदि ने बताया कि रविवार दोपहर करीबन 2 बजकर 30 मिनट पर खानक पहाड़ में खनन कंपनी द्वारा भारी ब्लास्टिंग की गई। ग्रामीणों का आरोप था कि यह है ब्लास्टिंग खनन कंपनी द्वारा अवैध खनन करके ज्यादा पत्थर निकालने के लालच में बड़ी ब्लास्टिंग की है जिससे करीबन एक किलोमीटर के दायरे में पत्थरों की बौछार हुई है, लेकिन गनी मत रही की किसी व्यक्ति को इससे चोट नहीं लगी। लेकिन यह दृश्य बड़ा ही खतरनाक और भयंकर था जिससे करीबन 20 से 25 घरों में ब्लास्टिंग के पत्थर गए हैं जिससे घरों को नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने कहा की खनन कंपनी अवैध खनन के तरीके से गांव के आमजन को निरंतर जान-माल का नुकसान पहुंचा रही है। ग्रामीणों का कहना था कि शासन-प्रशासन भी इन घटनाओं की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने मांग की की खनन कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

भिवानी। जीत की खुशी मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

कॉलेजियम चुनाव: हरिकिशन गोयल 11 वोटों से मिली जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

वैश्य एजुकेशन सोसायटी रोहतक के कॉलेजियम के लिए हुए चुनाव में भिवानी के वार्ड नंबर-22 से समाजसेवी हरिकिशन गोयल ने शानदार जीत हासिल की है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी राजेश को 11 मतों से पराजित किया। हरिकिशन गोयल ने अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए अपने सभी मतदाताओं, रिश्तेदारों, दोस्तों एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

जीत पश्चात हरिकिशन गोयल के समर्थकों ने फूल-मालाओं से उसका स्वागत किया व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर हरिकिशन गोयल ने कहा कि उन्हें मतदाताओं ने जो जिम्मेवारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा एवं मेहनत से निर्वहन करेंगे तथा मतदाताओं के विश्वास पर पूरी तरह से खरा उतरने की कोशिश करेंगे। इसके साथ ही संस्था की प्रगति व भलाई के लिए जो भी जिम्मेवारी सौंपी जाएगी, उसका निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि वैश्य एजुकेशन सोसायटी रोहतक के कॉलेजियम के लिए हुए चुनाव में कॉलेजियम के सदस्य चुने गए है, जो कि भविष्य में सोसाइटी की कार्यकारिणी का 10 अगस्त को गठन करेंगे। गोयल ने कहा वैश्य एजुकेशन सोसायटी रोहतक देश की एक अग्रणी शिक्षण संस्था है, जिसके अंतर्गत 13 विद्यालय व महाविद्यालयों मे हजारों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर प्रतिवर्ष निकलते हैं। नई कार्यकारिणी का यह प्रयास रहेगा कि वह शिक्षण संस्थानों के प्रांगण को एक विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हो।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उनके साथ अरुण तिगडानिया, नौरंग राय गोयल, डा. आरबी गोयल, सुभाष गोयल, सुधीर गोयल, पवन बसिया, आनंद बसिया, पवन गुप्ता शैलेश गुप्ता, कमल गोयल बापोडीया, वेद प्रकाश गुप्ता, देवकीनंदन गोयल, आंनद प्रकाश सिंगल, जयकुमार गुप्ता, सुदर्शन जिंदल, नवीन गुप्ता , सुभाष जैन इत्यादि समर्थक उनके साथ रहे।

बिक्री केन्द्रों पर खाद के लिए उमड़ी भारी भीड़

■ पुलिस सुरक्षा में बांटी डीएपी खाद, सहकारी केन्द्र पर खाद के लिए लगी लोगों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढड़ा

उपमंडल के सहकारी केन्द्र पर आज खाद पहुंचते ही इंतजार में बैठे किसानों में पहले पाने की होड़ मच गई और खरीद अधिकारियों व भीड़ को संभालने पहुंचे कृषि विभाग, प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसानों को लाईन लगाकर खाद वितरण करवाई गई।

किसानों ने सरकार पर जानबूझ कर समय पर खाद उपलब्ध न करवाने का आरोप लगाया। सहकारी खाद वितरण केन्द्र पर लगातार तीसरे दिन खाद पहुंचने का समाचार मिलते ही क्षेत्र के पुरुष व महिला किसान पहुंच गए और पहले खाद लेने के लिए अड़ गए। पच्चास गांवों के किसानों के लिए मात्र 900 बैग आने से हालात खराब हो गए। किसान एक दूसरे से पहले आने की बात कहकर व खरीद अधिकारियों पर जल्दी से जल्दी खाद देने की मांग करने लगे जिसस हालात खराब हो गए और मौके पर पहुंचे कृषि अधिकारी डा.अजय भामा व पुलिस टीम ने स्थित को नियंत्रण कर सभी किसानों को लाईनों में लगाकर खाद वितरण करवाई। खाद लेने आए किसान रामकिशन, कपूर सिंह, नरेश, आनंद, रमेश, स्नेहपाल, बीरमति, संतोष, कमला देवी, भतेरी आदि ने बताया कि उपमंडल क्षेत्र में पिछले लंबे समय से नाममात्र की डीएपी व यूरिया खाद आ रही है जिससे बिजाई व सिंचाई के समय शायद ही खाद उपलब्ध हो पाए। हर बार किसानों को दिन व रात्रि को लाईनों में खड़ा होकर खाद लेनी पड़ रही है वहीं निजी दुकानों से खाद लेने पर दो बैगों के साथ ही इससे अधिक कीमत के अलग पदार्थ खरीदना मजबूरी हो गया है। मौजूदा समय में कपास में डीएपी की सिंचाई के साथ बिजाई व बाजरा कपास, ग्वार में यूरिया छिडक़ाव के साथ ही सख्त जरुरत है लेकिन सहकारी खाद वितरण केन्द्रों व निजी दुकानों पर नाममात्र आपूर्ति होने से उनको लाइनों में लगकर खाद लेनी मजबूरी है। सहकारी समिति प्रबंधक जयबीर श्यामकलां ने बताया कि सप्ताह मे तीसरी बार यूरिया डीएपी की आपूर्ति पहुंची है जिसका शांतिप्रिय ढंग से वितरण करवाया जा रहा है। खंड कृषि अधिकारी डा. अजय भामा व अन्य कृषि अधिकारियों ने किसानों को समझाया कि मौजूदा समय में यूरिया डीएपी की खपत कम है।

सफलता का शॉर्टकट नहीं, लक्ष्य हासिल करने के लिए करें कड़ी मेहनत : एसडीएम

■ एसडीएम ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने गांव झांवरी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टाफ सदस्यों को विभिन्न आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एसडीएम डॉ. अशवीर नैन ने सोमवार को प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार विद्यालय का औचक निरीक्षण करते हुए अधिकारियों और स्कूल अध्यापकों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम डॉ. नैन ने बच्चों से रूबरू होते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें और इसे हासिल करने के लिए दिन-रात एक कर खूब मेहनत करें। एसडीएम ने छात्र-छात्राओं से लक्ष्य को लेकर भी संवाद किया और बाहरवीं के बाद विभिन्न क्षेत्रों में विकल्प सांझा किए। एसडीएम ने छात्रों को मोबाइल के दुरूपयोग से बचने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग कतई न करें। मोबाइल का प्रयोग जरूरी सवालों के जवाब जानने तक तो लाभदायक है लेकिन इसके दुरूपयोग से भविष्य खराब हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने भाषा प्रयोगशाला, विद्यालय भवन आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड के प्रयोग की भी जांच की एवं अध्यापकों को डिजिटल बोर्ड के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग बारे निर्देश दिए।

तोशाम। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन स्कूल का निरीक्षण करते हुए।

चरखी दादरी। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते एसपी अर्श वर्मा। फोटो : हरिभूमि

सीएम की रैली को लेकर एसपी ने स्थल सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

■ चप्पे-चप्पे पर निगाह रखने के लिए सादे कपड़ों में भी अनेक पुलिस कर्मचारी तैनात किए

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 24 जुलाई को झोझू कलां आगमन के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। मुख्यमंत्री के आगमन पर जिले के खंड झोझु कला में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पुलिस द्वारा किए सुरक्षा प्रबंधों का सोमवार को पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने जायजा लिया। समारोह स्थल झोझू कलां व आसपास के इलाके में चप्पे-चप्पे पर कड़ी नजर रखने के लिए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक उपकरणों व साजो सामान के साथ तैनात किया गया है।

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया है। मुख्यमंत्री के आगमन पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पार्किंग व्यवस्था को बाधारहित व दुरुस्त बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर कार्यक्रम स्थलों पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मैटल डिटेक्टर से सुरक्षा संबंधी जांच व तलाशी के उपरांत ही प्रवेश करने दिया जाएगा। चप्पे-चप्पे पर कड़ी निगाह रखने के लिए सादे कपड़ों में भी अनेक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दे दिए गए हैं। समारोह स्थल का निरीक्षण के बाद एसपी अर्श वर्मा ने थाना झोझू कलां थाना का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने थाने के रिकॉर्ड, महिला डेस्क, मालखाना, और आपराधिक रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों के रहन-सहन और मैस की व्यवस्था का जायजा लिया।

स्कूल में विद्यार्थी, माता व पौधे तीनों का फोटो करना होगा अपलोड

16 विद्यार्थियों ने अपनी माताओं संग लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

दिन-प्रतिदिन घट रही हरियाली की कमी को पूरा करने के लिए शिक्षा विभाग ने नई तरकीब निकाली है। शिक्षा विभाग ने पीएम मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अब स्कूलों में विद्यार्थी की मां के हाथों एक-एक पौधा लगवाने जाने की नई मुहीम शुरू की है।

स्कूलों में विद्यार्थी व उसकी मां के हाथों लगाए गए पौधे का फोटो लेना होगा। साथ में उस फोटो को शिक्षा विभाग की साइट पर भी अपलोड करना होगा। पोर्टल पर फोटो अपलोड होते वक्त बच्चे द्वारा सारी जानकारी उपलब्ध करवाई जानी होगी। साथ ही पौधारोपित करने से संबंधित सभी फोटो रजिस्टर में पेस्ट भी करने होगें। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विभाग ने 30 सितम्बर तक का वक्त दिया है। अगर इस मामले कोई ढिलाई बरती तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

भिवानी। स्कूल परिसर में बेटे के साथ मां पौधरोपित करते हुए।

घुसकानी स्कूल में विद्यार्थी व उसकी मां ने लगाया पौधा

गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत जिला शिक्षा विभाग भिवानी के आदेशानुसार तथा मुख्याध्यापक के निर्देशन मे एवं फालसा इको क्लब घुसकानी की देखरेख पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए, जिनमें नीम, पीपल, जामुन , शीशम आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के मुखिया कृष्ण कुमार ने की तथा विद्यालय स्टाफ, इको क्लब सदस्य, बच्चों की माताओं ने भाग लिया। 16 विद्यार्थियों की माताएं स्कूल में बच्चों के साथ पौधे रोपित करने के लिए पहुंची।

वृक्ष भी जीवनदायिनी: पींकू

इको क्लब के नोडल अधिकारी विनोद पिंकू पीटीआई ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार मां हमें जीवन देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी जीवनदायिनी हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान ना केवल पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है, बल्कि यह मातृभक्ति की अनोखी अभिव्यक्ति भी है। एक पेड़ मां के नाम मातृभक्ति और पर्यावरण सुरक्षा का सुंदर संगम है, हमारे जीवन की शुरुआत मां एवं पर्यावरण के साथ होती है। मां हमें जन्म देती हैं, पालती है, हमें जीवन जीने का तरीका सिखाती है।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
22 जुलाई 2025

सहेली

हरियाली तीज स्त्रीत्व का उत्सव

सावन के महीने में मनाए जाने वाले हरियाली तीज पर्व का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व तो है ही, इसे स्त्रीत्व का उत्सव भी माना जाता है। इससे जुड़े रीति-रिवाजों और परंपराओं में परिवार और रिश्तों की मंगलकामनाएं भी निहित होती हैं। इसीलिए आज के दौर में भी इस पर्व की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।

पर्व
यशोधरा भटनागर

हरियाली तीज आते ही बीती यादें आंखों के सामने नाचने लगती हैं। कितने दिन पहले से मां तीज की तैयारी में लग जाती थीं। मनिहारिन काकी चूड़ी, टिकुली, मेहंदी, महावर का टोकरा सिर पर रखे आंगन में जम जातीं। दादी, चाची, हम सब उनके आस-पास बैठ जाते। हमारी आंखें काकी के टोकरे को स्कैन कर लेने में कोई कसर नहीं छोड़तीं। सावन के सेहरों संग उत्सव के हरे, लाल, पीले खुशियों के रंग चारों ओर बिखर जाते। दादी बताती थीं कि सावन का महीना शिव पूजा का पवित्र माह है। शिव जी के प्रिय श्रावण मास में सबसे ज्यादा वर्षा होती है। अधिक वर्षा शिवजी के विष से गर्म शरीर को ठंडक प्रदान करती है। भारतीय लोकजीवन में सावन प्रेम, सौंदर्य और श्रद्धा का माह है। इस माह में आया हरियाली तीज का पर्व, भारतीय स्त्री के जीवन, उसकी संवेदनाएं और उसके संकल्पों का सुंदर भावनात्मक प्रस्तुतीकरण है।

तीज का मूलार्थ और स्वरूप

'तीज' शब्द संस्कृत के 'तृतीया' से लिया गया है, जिसका अर्थ है हिंदू पंचांग की शुक्ल या कृष्ण पक्ष की तीसरी तिथि। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को 'श्रावण तीज' या 'हरियाली तीज' कहा जाता है। मुख्य रूप से यह पर्व उत्तर भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में महिलाओं द्वारा श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। मान्यता है, देवी पार्वती ने शिव जी को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। देवी पार्वती ने सावन में मृतिका से शिवलिंग का निर्माण करके भक्ति भाव से शिवजी का पूजन किया और तपस्या में लीन हो गईं। उनकी तपस्या से अंत में प्रसन्न होकर हरियाली तीज पर भगवान शिव प्रकट हुए और देवी पार्वती को वरदान दिया कि तुम मेरी अर्धांगिनी बनोगी। इस प्रकार भोलेनाथ सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को विवाह के लिए तैयार हुए थे। इसीलिए हर साल हरियाली तीज के दिन कुंवारी लड़कियां मनचाहे वर के लिए और विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत करती हैं।

तीज का सामजिक-सांस्कृतिक और भावनात्मक पक्ष

सावन की तीज नारी जीवन के उस पहलू को सजीव करती है, जहां वह एक उपासिका, एक सृजनशील शक्ति और एक भावनात्मक केंद्र बन जाती है। विवाहित स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु और सुखमय जीवन के लिए व्रत रखती हैं। यह उपवास केवल दैविक आस्था नहीं, बल्कि एक मानसिक और आत्मिक शक्ति का प्रदर्शन भी है। मायके और ससुराल के बीच भावनाओं का पुल बनती है तीज। विवाहित बेटियों को मायके बुलाया जाता है। गोटा लगी हरी-लाल लहरिया लहराती साड़ी में सजी बहू-बेटियों के हाथों में मेहंदी, कलाई में चूड़ियां, पांवों में महावर, बिछिए, पायल के स्वर पूरे माहौल को झंकृत करते आशीष देते हैं। गीतों, हंसी, झूलों और श्रृंगार से सजी यह बेला उन्हें अपने स्त्रीत्व का उत्सव मनाने का अवसर देती है। तीज जैसे पर्व भारतीय स्त्री को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त करते हैं। सहेलियों, बहनों, पड़ोसियों के साथ त्योहार मनाने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं।

व्रत, पूजा और अनुष्ठान

तीज के दिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सुंदर-स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। व्रत रखती हैं और दिनभर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। शिव-पार्वती की कथा से उन्हें प्रेम, समर्पण और आत्मबल का आदर्श मिलता है। सौभाग्यवती स्त्रियां सोलह श्रृंगार, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदिया, पायल, साड़ी आदि में सजकर देवी पार्वती की भांति स्वयं को नववधू के रूप में अलंकृत करती हैं। तीज के पारंपरिक लोकगीतों के साथ यह व्रत संपन्न होता है।

झूले, गीत और नारी की अभिव्यक्ति

सावन और तीज के गीत भारतीय स्त्रियों की भावनाओं, पीड़ा, प्रतीक्षा, प्रेम और सामाजिक स्थिति के स्वरों को पिरोते हैं। 'कजरियां', 'सावन के झूले', 'मायके बुलावे' जैसे गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि स्त्री के भीतर छिपे भावलोक की सुंदर झलक भी हैं।

आधुनिक संदर्भ में तीज

समय के साथ तीज का स्वरूप बदला है, पर इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आज की नारी भी इस पर्व को केवल रीति नहीं, एक उत्सव के रूप में मनाती है, जहां वह अपने अस्तित्व, विश्वास और संबंधों को फिर से सजीव कर आनंदित होती है। सावन की तीज केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह भारतीय स्त्री के आंतरिक सौंदर्य, उसकी सहनशीलता, उसकी आस्था और उसके आत्मबल का प्रतीक है। यह पर्व उसे अपनी जड़ों से जोड़ता है, प्रकृति के साथ उसका संवाद कराता है। हरियाली तीज नारी का उत्सव है। उत्सव है भावों का, विश्वास का और उसकी अपनी पहचान का।

हाथों पर रचवाएं आकर्षक मेहंदी

हरियाली तीज पर आप ट्रेडिशनल ड्रेसअप, मेकअप और ज्वेलरी कैरी करने के साथ हाथों पर मेहंदी भी जरूर लगवाएंगी। हम आपको यहां बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी डिजाइन इन दिनों ट्रेंड हैं, जिन्हें आप रचवा सकती हैं।

श्रंगार
निधि गोयल

तीज का त्यौहार विवाहित महिलाओं के लिए बहुत मायने रखता है। ऐसे में महिलाएं सोलह श्रंगार करती हैं। सोलह श्रंगार को पूरा करती है हाथों में रची प्यारी-प्यारी मेहंदी। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी के डिजाइन आप अपने हाथों में लगाकर इस तीज पर डिफरेंट नजर आ सकती हैं। इनमें से कुछ मेहंदी डिजाइंस पर एक नजर।

भरवा मेहंदी डिजाइन

तीज जैसे मौके पर भरे-भरे डिजाइन वाली मेहंदी पसंद की जाती हैं। इनके अलावा जालीदार, फूल पत्तियों के डिजाइन काफी पसंद किए जाते हैं। साथ ही इनमें फूलों के डिजाइन भी काफी सुंदर लगते हैं। जब आप इस तरह की मेहंदी लगवाती हैं, तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइंस

अरेबियन मेहंदी के डिजाइन अधिकतर महिलाओं को पसंद आते हैं। इनमें आजकल कई तरह के डिजाइन ट्रेंड में चल रहे हैं। इस डिजाइन से आपके हाथों को बेहद सुंदर लुक मिलता है। अरेबिक मेहंदी डिजाइन में हाथों में भरकर मेहंदी नहीं लगाई जाती है। बल्कि इसमें बेल टाइप मेहंदी डिजाइन ज्यादा पसंद की जाती है। साथ ही आपकी लगी हुई मेहंदी हैवी भी नजर आती है। इनमें बहुत सारे डिजाइन आजकल ट्रेंड में हैं, इनमें से आप कुछ अलग हट कर डिजाइन अपने हाथों पर लगवा सकती हैं।

इस डिजाइन में हथेली को पूरी तरह भर कर बनाया जाता है। यह डिजाइन बहुत खिलता हुआ नजर आता है।

पोर्ट्रेट मेहंदी डिजाइंस

आजकल इस तरह की मेहंदी डिजाइन भी काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। इसमें अपने किसी खास व्यक्ति की मुखाकृति को बनाया जाता है। शादी और तीज जैसे त्यौहारों पर तो खासकर इस मेहंदी डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। खासकर ब्राइडल के हाथों पर इन मेहंदी को

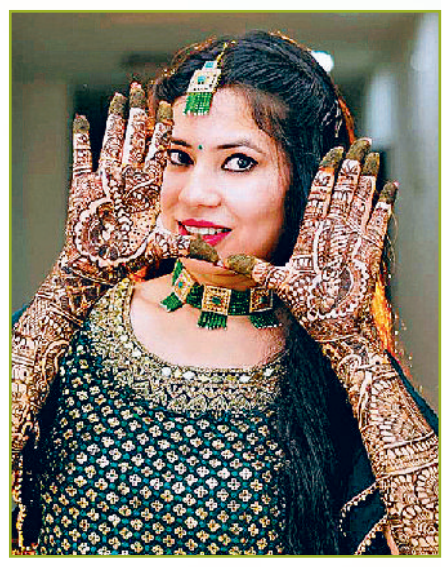

आपने लगा देखा होगा। इसमें दूल्हा और दुल्हन की आकृति को हाथों पर बनाया जाता है। जिससे ब्राइडल के हाथ बेहद सुंदर नजर आते हैं। तीज जैसे त्यौहारों पर भी इस मेहंदी डिजाइन का काफी क्रेज देखा जा रहा है।

टैटू मेहंदी डिजाइंस

अगर आपके पास कम समय है और आप कुछ घंटे बैठकर मेहंदी कहीं लगवा नहीं पाती हैं तो ऐसे में टैटू मेहंदी लगा सकती हैं। इसके लिए बाजार में मिलने वाले मेहंदी के टैटू आप स्वयं लेकर आसानी से हाथों पर लगा सकती हैं। टैटू मेहंदी में आप काफी सारे डिजाइन, जो काफी ट्रेंडी और यूनिक हैं, उन्हें खरीद के इस तीज पर अपने हाथों पर लगा सकती हैं।

ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस

त्यौहारों पर यह मेहंदी डिजाइन भी बेहद सुंदर नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी के डिजाइन इस तरह के लगाए जाते हैं कि आपके हाथों पर लगाई गई मेहंदी गहनों की तरह नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस आमतौर पर पूरे हाथ, बाजू और पैरों को कवर करते हैं और बहुत विस्तृत और कलात्मक होते हैं। इन्हें अगर सफाई से नहीं लगवाया जाए तो फिर ज्यादा सुंदर नहीं लगते हैं। ऐसे में मेहंदी लगाने वाले का एक्सपर्ट होना जरूरी है।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा

छोटे बच्चे अपने पापा-मम्मी के पास ज्यादा से ज्यादा रहना चाहते हैं। पैरेंट्स भी यही चाहते हैं। सवाल यह है कि बच्चे रात में अकेले सोएं या अपने पापा-मम्मी के साथ? इस बारे में आपके लिए जरूरी सलाह।

बच्चों को अपने साथ सुलाना कितना सही-कितना गलत

हमारे देश में ही नहीं, दुनिया के कई और देशों में भी बच्चों को काफी उम्र तक माता-पिता अपने साथ सुलाते हैं। उनका मानना होता है कि इससे बच्चों की माता-पिता के साथ बॉन्डिंग ज्यादा गहरी होती है। बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। पैरेंट्स भी उनकी सुरक्षा के विषय में सुनिश्चित रहते हैं। कई माता-पिता अपने बेडरूम में ही बच्चों को एक ही पलंग पर सुलाते हैं, तो कई अपने बेड पर न सुलाकर उन्हें उनके लिए अलग बेड की व्यवस्था करते हैं। पश्चिमी देशों में इसके विपरीत बच्चों को शुरू से ही अलग सुलाया जाता है, जिसमें सबसे बड़ी वजह बच्चों को बेहतर नींद आए और माता-पिता की प्राइवेसी में कोई खलल न पड़े।

साथ सुलाने के फायदेः बच्चों को साथ सुलाने के कई फायदे होते हैं। इससे उनको भावनात्मक सुरक्षा तो मिलती ही है, जब वो साथ सोते हैं तो कम रोते हैं और कम तनावग्रस्त होते हैं। उनका शारीरिक विकास भी बेहतर होता है, क्योंकि अलग सोने वाले बच्चों की तुलना में वे खुश रहते हैं, उनकी कम तनाव होने और स्वस्थ रहने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है। माता-पिता जब बच्चों को अपने साथ सुलाते हैं तो चूंकि वे उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होते हैं, उन्हें भी अच्छी नींद आती है। बच्चों के साथ उनके रिश्ते मजबूत होते हैं। एक-दूसरे के करीब होने के कारण वे एक-दूसरे की शारीरिक और मानसिक जरूरतों को ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। साथ में सुलाने से बच्चों की देखभाल करना, उनकी किसी भी तरह की जरूरत को समझना उनके लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।

बच्चों को अलग कब सुलाएंः इस विषय में कोई सटीक जवाब नहीं मिलता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को छह महीने के बाद अलग सुलाना चाहिए। जबकि कुछ का मानना है कि बच्चे जब दो या तीन साल के हो जाते हैं तो पैरेंट्स को अपनी प्राइवेसी मेंटेन करने के लिए उन्हें अपने से अलग सुलाना चाहिए। कुछ बालरोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ लंबे समय तक बेड शेयरिंग नहीं करनी चाहिए। खासतौर पर बच्चे जब छोटे हों। क्योंकि नींद में बच्चों की स्थिति का पता नहीं चलता। ऐसे में यदि माता-पिता को कोई संक्रामक रोग है तो इसका असर बच्चे पर पड़ सकता है।

कुछ और जरूरी सुझावः यदि बच्चा प्री-मैच्योर है तो उसे मां को अपने साथ सुलाना चाहिए। बच्चे को एक ही बिस्तर पर सुलाने से जगह कम होने के कारण उनके गिरने की भी आशंका रहती है।

- यदि बच्चे को लंबे समय तक अपने साथ सुलाया जाए तो एक समय के बाद उसे अकेले सोने में डर लगता है। बाद में उनकी आदत बदलना कठिन होता है।
- अगर आप भी अपने बच्चों को अपने साथ सुलाती हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका बिस्तर कितना लंबा चौड़ा है। अगर इसमें पर्याप्त स्थान नहीं है तो बच्चे के गिरने या दबने की भी आशंका रहती है।
- अगर बच्चे का माता-पिता के साथ ज्यादा भावनात्मक जुड़ाव हो तो उसे धीरे-धीरे अपने से अलग सुलाने की आदत डालनी चाहिए। साथ सुलाने में माता-पिता की ही नहीं बच्चे की नींद भी बाधित होती है।
- बच्चा अगर बहुत छोटा नहीं है तो उसके लिए अपने ही कमरे में अलग बेड की व्यवस्था करें। धीरे-धीरे उसे अलग कमरे में सुलाएं, लेकिन उसका कमरा आपके बेडरूम से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। ताकि रात के समय जब उसे आपकी जरूरत हो तो आप उसके लिए तुरंत वहां हाजिर हो सकें।

मेंटल हेल्थ
अंजू जैन

क्या आप हमेशा सोचती हैं नेगेटिव

कुछ लोगों का मन हमेशा उदासी में डूबा रहता है। उन्हें लगता है, कोई उनको पसंद नहीं करता। अपने आपको हर काम में असक्षम मान लेते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आप नेगेटिवटी से घिरी हुई हैं, मानसिक रोग से ग्रस्त हो सकती हैं। इससे जल्द से जल्द उबरिए। सबसे पहले अपने आपको पहचानें कि क्या आप मानसिक रोग से ग्रस्त हैं, फिर अपनी सोच बदलने का प्रयास करें।

मुझे कोई चाहता नहींः 'मेरी किसी को परवाह नहीं।', 'हर कोई खुद में ही मस्त है, मुझे कोई नहीं चाहता।' अगर अकेले में आप ऐसा बार-बार सोचती हैं तो समझ लें कि आपका दिमाग वास्तविकता की बजाय भावनाओं में बह रहा है, बहका हुआ है। ऐसे में कई बार आप अचानक अपराधबोध की शिकार हो जाती हैं, सोचती हैं कि मैंने कुछ गलत किया है।

क्या करेंः 'द हैप्पीनेस ट्रैप' पुस्तक में मनोविज्ञानी रस हैरिस ने लिखा है कि इस स्थिति में आपको अपनी अनुभूतियों को कंट्रोल में लाना होगा, सच्चे मन से वास्तविकता को पहचानना होगा। 'मैं अकेली हूं, मुझे कोई नहीं चाहता।' ऐसा कुछ सोचना, अस्थाई मानसिक स्थिति के इमोशंस हैं। इन्हें आपको हवा में उड़ाना सीख लेना चाहिए। अपने इमोशंस को कंट्रोल सकती हैं।

कोशिश करना बेकार हैः आपको अपनी पसंदीदा जॉब की वैकेंसी की खबर मिलती है। आप पल भर के लिए उत्साहित होती हैं। लेकिन अगले ही पल आपका मन बुझ जाता है, आप अपनी क्वालिफिकेशन से ज्यादा अपनी कमियां गिनने लगती हैं। फिर सोचती हैं कि मुझे यह जॉब नहीं मिलेगी।

क्या करेंः यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस एंड साइको-फिजियोलॉजिकल लैब में डायरेक्टर बारबरा फ्रेड्रिक्शन कहती हैं, 'हमारी ज्यादातर नेगेटिविटी मेंटल टाइम ट्रैवल से आती है। नेगेटिविटी से उबरने के लिए आप धीरे-धीरे अपनी पॉजिटिव बातों पर फोकस करिए। एक-एक कर आपको अपनी क्षमताओं का अनुभव होने लगेगा, उसी वक्त संकल्प लें कि आपको पूरी ऊर्जा के साथ यह काम करना है। हर शाम दिनभर की अच्छी बातें, घटनाएं और उपलब्धियां लिखें और इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करें। मेडिटेशन करें। आपको निराशा से उबरने में मदद मिलेगी।'

हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार माननाः कई बार आप अपने आस-पास होने वाली हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानने लगती हैं। कोई किसी मीटिंग या किसी पार्टी में आपके जाते ही निकल जाता है तो आपको लगता है कि वह आपके व्यवहार से नाराज है।

क्या करेंः सबसे पहले आपको इस बात पर विश्वास करना होगा कि दुनिया में या आपके इर्द-गिर्द हो रही हर बात के लिए आप जिम्मेदार नहीं हैं। मनोचिकित्सक और 'यू आर नॉट युअर ब्रेन' की लेखिका रेबेका ग्लेडिंग कहती हैं, 'आपको स्वीकार कर लेना चाहिए कि दूसरों के मूड पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। इससे उबरने में मदद मिलेगी।'

फिटनेस
शिखर चंद जैन

घरेलू कामों से भी होती है एक्सरसाइज

फिट रहने के लिए हमेशा जरूरी नहीं कि जिम में जाकर वर्कआउट ही करें। आप बहुत से घरेलू काम करते हुए भी एक्सरसाइज के फायदे उठा सकती हैं, अपनी फिटनेस मेंटेन कर सकती हैं। इस बारे में जानिए।

रवीना अपने बढ़ते वजन और कमर के बढ़ते घेरे से परेशान थी। मोटापे के कारण न सिर्फ उसका शरीर बेडौल होने लगा बल्कि उसे गैस और अपच जैसी समस्याएं भी सताने लगीं। फैमिली डॉक्टर उसे कई बार सुबह-शाम वर्कआउट करने के लिए या जिम ज्वाइन करने के लिए कह चुके थे। लेकिन रवीना को वक्त ही नहीं मिलता था। सुबह बेटे-बेटी को स्कूल भेजती, फिर पति के साथ ब्रेकफास्ट करती। ग्यारह बजे हाउसमेड आ जाती, उससे लंच बनवाने, कपड़े धुलवाने, बर्तन मंजवाने और पूरे घर की साफ-सफाई करवाने में एक बज जाता। उसके जाने पर वह खाना खाती, टीवी देखती और दो घंटे सो जाती। शाम को सोसायटी की कुछ महिलाएं आ जातीं, उनसे गप-शप करने में 6 बज जाते, फिर डिनर की तैयारी करती। इस तरह न तो उसे जिम जाने की फुर्सत मिलती और न वर्कआउट करने की। एक दिन उसने अपनी सहेली शैलजा से अपनी समस्या बताई और पूछा, 'तू भी तो जिम नहीं जाती फिर कैसे फिट दिखती है?' इस पर शैलजा बोली, 'घर की साफ-सफाई से लेकर बर्तन, कपड़े धोने, गार्डनिंग और खाना बनाने तक का काम मैं ही करती हूं। यही तो है मेरी फिटनेस और हेल्दी रहने का राज। तुझे पता है, घर के काम-काज करने का फायदा भी जिम जाने जितना ही मिलता है।' शैलजा ने बिल्कुल ठीक कहा।

क्या कहती हैं स्टडीजः हाल ही में एक अध्ययन के नतीजे में कहा गया है कि घरेलू काम-काज का फायदा जिम जाने या रोजाना वर्कआउट जितना ही मिलता है। पोछा लगाने, घर साफ करने, बागवानी करने और बाजार से साग-सब्जी या घरेलू सामान लाने से भी काफी कैलोरी बर्न होती है, क्योंकि इन कामों में फिजिकल मूवमेंट्स भी काफी होती हैं। आप वर्किंग वूमेन हों या होममेकर, अगर वर्कआउट के लिए समय नहीं निकाल पातीं, तो अपनी दिनचर्या में से वो पल या काम ढूंढ़ लें, जिससे आप फिजिकल मूवमेंट्स में इंवॉल्व रह सकती हैं। आपको किसी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम है, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर वर्कआउट कर सकती हैं।

ये भी हैं तरीकेः एक्सरसाइज का टाइम नहीं मिलता तो फिजिकल एक्टिविटी के लिए घर से ऑफिस जाते समय बस से एक स्टॉपेज पहले उतर कर पैदल जा सकती हैं। इसी प्रकार आते समय भी घर से एक स्टॉपेज पहले उतर सकती हैं। चौथी मंजिल पर स्थित ऑफिस और तीसरी मंजिल पर मौजूद फ्लैट में जाने के लिए लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को यूज कर सकती हैं। इसी प्रकार बागवानी करने से भी तन और मन दोनों फिट रहते हैं। बागवानी के लिए काफी चलना-फिरना पड़ता है, हाथों की मूवमेंट्स करनी पड़ती है। इससे भी एक्सरसाइज होती है।

इस बात का रखें ध्यानः अगर किसी को फ्रोजन शोल्डर या टेनिस एल्बो की परेशानी नहीं है, तो उसके लिए स्वीमिंग एक अच्छी एक्सरसाइज हो सकती है। इससे कंधों और भुजाओं की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है। साथ ही कोर मसल्स को मजबूती भी मिलती है। बैठकर पोंछा लगाना भी एक अच्छी एक्सरसाइज है, जिन्हें घुटनों में तकलीफ हो उन्हें खड़े-खड़े पोंछा लगाना चाहिए।

(फिटनेस ट्रेनर चिन्मय राय से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने एक महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का आयोजन विवि की कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी के दिशा-निर्देशन में किया गया। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता और श्रमदान के महत्व को समझाते हुए विवि परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी में हीना ने मारी बाजी

बवानीखेड़ा। वीर शहीद कपिल देव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्या संतोष भाकर के नेतृत्व में किया गया। प्रथम टीम में 12वीं कक्षा की हीना प्रथम, दीपिका द्वितीय, 11वीं की आरती तृतीय रही, दूसरी टीम में 9वीं की दीपांशी प्रथम, 11वीं का सिद्धांत द्वितीय, 12वीं का कपिल तृतीय रहा, तृतीय टीम में 12वीं की ऋतिका प्रथम, 11वीं की कशिश द्वितीय, 11वीं का नवदीप तृतीय रहा।

समाधान शिविर में सुनीं सीटीएम ने जनसमस्याएं

चरखी दादरी। जिला में लगातार नागरिकों की शिकायतों के निदान के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर लगाए जा रहे इन शिविरों में आनी वाली शिकायतों का मौके पर ही समाधान हो रहा है। सोमवार को उपायुक्त मुनीश शर्मा के मार्गदर्शन में सीटीएम जितेन्द्र कुमार ने लघु सचिवालय के सभागार में लोगों की शिकायतें सुनी और उनके निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों ने मौके पर इन शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू की।

अपने बच्चों में अच्छे संस्कार भरें : हुनमान

भिवानी। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक की अध्यक्षता में संस्कार और संस्कृति के प्रति युवा वर्ग को जागरूक करने के लिए विचार संगोष्ठि का आयोजन किया गया। इस विचार संगोष्ठि में संगठन की महिला विंग प्रमुख डा. सुशीला जांगड़ा व अन्य सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। हनुमान कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने बच्चों में अच्छे संस्कार भरने तथा हमारी संस्कृति से अवगत करवाने के लिए उनका सच्चा मित्र बनना होगा और उन्हें समय देना बहुत जरूरी है तभी हम उन्हें एक अच्छा नागरिक बना सकते हैं।

दादरी में धरातल पर विकास दिखेगा: सांगवान

चरखी दादरी। भाजपा के दादरी विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार द्वारा दादरी क्षेत्र के विकास को लेकर अनेक परियोजनाओं को मंजूरी दी है। जिसका आने वाले समय में धरातल पर विकास दिखाई देगा। हलके की जनता ने जिस विश्वास के साथ विस में भेजा, उसको वे कर्ज के रूप में पूरा करेंगे और दादरी के विकास को आगे बढ़ाते हुए नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को नवनियुक्त नगर पार्षद विक्रम श्योराण की नियुक्ति पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रति एकड़ 50,000 रुपये मुआवजा दें

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी बारिश और जलभराव ने किसानों के लिए गहरा संकट खड़ा कर दिया है। खेतों में खड़ी फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस विकट परिस्थिति में पूर्व मुख्य संसदीय सचिव (सीपीएस) रामकिशन फौजी ने सरकार से प्रति एकड़ 50,000 रुपये मुआवजे की मांग की है। रामकिशन फौजी ने वर्तमान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के प्रति सरकार पूरी तरह असंवेदनशील बनी हुई है।

कहा: फसल बीमा क्लेम आंदोलन में इनेलो किसानों के साथ

किसानों के महापड़ाव का छटा दिन, इनेलो महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनैना चौटाला ने दिया किसानों को समर्थन

आगामी मानसून सत्र में इनेलो के दोनों विधायक इस मामले को विधानसभा में उठाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

करीब 350 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम भुगतान और किसान हित की मांगों को लेकर लोहारू में चल रहे किसानों के महापड़ाव को छटे दिन भी अनेक नेताओं और संगठनों का समर्थन मिला। किसानों के धरने का इनेलो महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुनैना चौटाला और पूर्व संसदीय सचिव रण सिंह मान सहित अनेक किसान नेताओं और संगठनों के लोगों ने समर्थन दिया और कहा कि फसल बीमा क्लेम भुगतान किसानों का हक है। किसान अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है।

इनेलो किसानों के साथ: सुनैना चौटाला

इनेलो नेत्र सुनैना चौटाला ने कहा कि बीमा कंपनी और सत्ता में बैठे कइयों की मिलीभगत से फसल बीमा क्लेम के नाम पर किसानों के साथ करोड़ों रुपयों का धोखा किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के हकों की लड़ाई के लिए इनेलो हमेशा तत्पर रही है तथा इस आंदोलन में भी इनेलो किसानों के साथ खड़ी है। सुनैना चौटाला ने भरोसा दिलाया कि आगामी मानसून सत्र में इनेलो के दोनों विधायक इस मामले को विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाएंगे। सोमवार को किसानों के धरने की अध्यक्षता नीलम खरकड़ी, सुमेर गिगनाऊ, पृथ्वी सिंह गोठड़ा, जय सिंह कलिया व प्रभु राम ढ़ाणी ढोला ने संयुक्त रूप से की। जबकि धरने का संचालन एडवोकेट अशोक आर्य ने किया। धरनारत किसानों को संबोधित करते हुए पूर्व संसदीय सचिव रणसिंह मान ने कहा कि किसानों के साथ हुए इस करोड़ों रुपयों की धोखेबाजी को प्रदेश की जनता सहन नही करेगी। प्रदेश के किसान बीमा क्लेम भुगतान मामले को लेकर लामबंद होने लगे हैं। सरकार को समय रहते किसानों की मांगों को स्वीकार करते हुए किसानों को उनका हक लौटाना चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश भाजपा सरकार को किसान विरोधी सरकार बताया और कहा कि प्रदेश में आए दिन किसान, मजदूर, युवा, मजदूर और कर्मचारी हकों के लिए सडक़ों पर उतरते रहें हैं।

लोहारू। लोहारू में किसानों के धरने पर इनेलो नेत्री सुनैना चोटाला को मांग पत्र की प्रति प्रदान करते हुए धरनारत किसान। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

कविता आर्य एडवोकेट, संतोष देशवाल, नीलम खरकड़ी, धर्मली देवी पूर्व सरपंच, गिरदावरी देवी, सुनिता खरकड़ी, निर्मला, रामपाल सिंघानी, राजपाल सिंघानी, भूप सिंह बैराण, संजय श्योराण एडवोकेट, संदीप खरकड़ी, संदीप घणघस युवा अध्यक्ष, रोहतास गोस्वामी, ईश्वर बैरागी, मास्टर रावत सिंह, बंसी पूर्व सरपंच, संजय नंबरदार, रामकुमार ढ़िल्लो, मुकेश नंबरदार कासनी कलां, दर्शनानंद नेहरा, जय सिंह बारवास, सुरेन्द्र गोयलवास, जगदीश बारवास, रविन्द्र कस्वां, नवीन बसीरवास, सज्जन बारवास, नरेश पहाड़ी, सोनू कुशलपुरा, संजय कुशलपुरा, धर्मपाल गिगनाऊ आदि मौजूद रहे।

इन्होंने किया संबोधित

लोहारू के किसान महापड़ाव को पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा, पूर्व विधायक ओमप्रकाश बड़वा, इनेलो जिला अध्यक्ष अशोक ढाणी माहू, कर्मचारी सेल के जिला अध्यक्ष रण सिंह श्योराण, अंतर कसवां मताही, विजय गुरावा, अखिल भारतीय किसान सभा के पूर्व राज्य अध्यक्ष मास्टर शेर सिंह, मास्टर जगरोशन रोढ़ा, जिला अध्यक्ष रामफल देशवाल, कविता पातवान एडवोकेट, संतोष देशवाल, कैप्टन इंद्राज दमकोरा, सुशील नांगल, सुरेश फरटिया, उमराव सिंह मोरकां, मेवा सिंह आर्य, व मांगे राम कालोद ने संबोधित किया।

जोगीवाला मंदिर में शिवभक्तों ने पूजा-अर्चना की

50,000 शिव भक्तों के लिए आचमन किया गया तैयार

भगवान शिव के साथ देवी पार्वती, गणेश और कार्तिकेय स्वामी का विशेष अभिषेक किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

छोटी काशी के प्रसिद्ध जोगीवाला शिव मंदिर धाम में शिवरात्रि पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा साथ में श्रावणी तीज महोत्सव तक जोगीवाला शिव मंदिर धाम मेला उत्सव भी रहेगा, जिसका शुभारंभ शिव रात्रि की पूर्व संध्या पर किया जाएगा। श्रावण के दूसरे सोमवार को जोगीवाला मंदिर में संकड़ों शिवभक्तों ने भगवान शिव के रूद्र अवतार की पूजा अर्चना की। मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज ने शिव पूजन के बाद मंदिर के शिव सरोवर में गोमुख, गंगोत्री,हरिद्वार, त्रिवेणी संगमप्रयाग राज से लाया गया गंगाजल विसर्जन कर जलाभिषेक के लिए गंगाजल तैयार किया है। ताकि मंदिर में आने वाले हजारों शिवभक्त भगवान शिव का शिवरात्रि पर्व पर जलाभिषेक कर सकें। मंदिर के महंत वेदनाथ ने बताया कि इस वर्ष शिवरात्रि का पर्व बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, हर वर्ष की तरह इस बार भी हरिद्वार के हर की पौड़ी, गंगोत्री, गोमुख से श्रद्धालु गंगाजल और कावड़ लेकर जोगीवाला शिव मंदिर आ रहे हैं, जो शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को जलाभिषेक करेंगे।भगवान शिव के साथ देवी पार्वती, गणेश और कार्तिकेय स्वामी का विशेष अभिषेक किया जाएगा।

भिवानी। शिवरात्री पर्व के लिए मंदिर फूलों की माला तैयार करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

5100 किलोग्राम फूलों से सजाया मंदिर

शिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में जोगीवाला शिव मंदिर को 5100 किलोग्राम सुगंधित फूलों से सजाया गया। इसी कड़ी में छोटी काशी के शिव मंदिरों में शुमार सिद्धस्थल जोगीवाला शिव मंदिर में देर रात्रि तक अनेक कार्यक्रमों का आयोजन रहेगा । मंदिर में मधुर संगीत युक्त शिव धुन शिव भक्तों को भक्तिमय से सराबोर करेगी। महंत वेदनाथ ने बताया कि आज दूसरे सोमवार अलसुबह प्रातःकालीन आरती के बाद श्रद्धालुओ ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया । वहीं महंत वेदनाथ ने कहा कि मंदिर परिसर में हरियाणा और राजस्थान से जुड़े शिव भक्त कावड़ लेकर आना शुरू हो गए हैं । जिनके लिए सभी ठहरने, खाने , पीने और चिकित्सा की सुविधा जोगी वाला शिव मंदिर व बाबा मेहू नाथ धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से की गई है, ताकि शिव भक्तों को कोई तकलीफ़ न हो।

चेयरमैन व मनोनीत पार्षद का किया स्वागत

- शहर को ले जाएंगे विकास की बुलंदियों पर : प्रदीप तायल

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप तायल, मनोनीत पार्षद रामसिंह कटारिया और शहर के कई वार्डों के पार्षदों के सम्मान में सोमवार को स्थानीय बोहरा धर्मशाला में नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के विभिन्न संगठनों के लोगों ने माला पहनाकर उन्हें बधाई दी। वहीं नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप तायल ने पूर्व मंत्री जेपी दलाल और मनोनीत पार्षद रामसिंह कटारिया ने भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौ. धर्मवीर सिंह और लोहारू की जनता का आभार प्रकट किया। इस दौरान शहर के वार्ड पार्षद अजय शर्मा, अशोक सैनी, राजेश सैनी, महेश गांधी सहित पार्षद प्रतिनिधियों का भी अभिनंदन किया गया। चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि वे लोहारू के सभी वार्ड पार्षदों और शहर के लोगों के सहयोग से शहर को विकास की बुलंदियों पर ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री जेपी दलाल के आशीर्वाद और शहर की जनता के सहयोग से उन्हें शहर का विकास करने का मौका मिला है व जनता की भावनाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व पार्षद पवन शर्मा, बुधराम, संजय खंडेलवाल, रामस्वरूप सैनी, रामसिंह सैनी, दौलतराम सौलंकी, राम अवतार शर्मा, बजरंग लाल, जगदीश जायलवाल, रोहताश लांबा, सुरेश खेमका,बहादुर सैनी, कैलाश जिंदल आदि मौजूद रहे।

लोहारू। लोहारू बोहरा धर्मशाला में नपा चेयरमैन व मनोनीत पार्षद सहित कई पार्षदों का अभिनंदन करते हुए शहर के गणमान्य लोग। *फोटो: हरिभूमि*

भाषण प्रतियोगिता में ग्यारहवीं की तन्वी और सातवीं की पावनी प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

श्रीमती उत्तमी बाई आर्य कन्या वमावि में अणुव्रत विश्व भारती समिति द्वारा आयोजित अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2025 के तहत विद्यालय स्तर पर भाषण, चित्रकला, निबंध व कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

भाषण प्रतियोगिता में एक श्रेष्ठ नागरिक से सशक्त राष्ट्र की कल्पना कैसे हो साकार विषय पर छात्राओं ने श्रेष्ठ नागरिकों के गुणों व राष्ट्र के प्रति उनके कर्त्तव्यों के बारे में बताया ।भाषण प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारहवीं की तन्वी व कनिष्ठ वर्ग में कक्षा सातवीं की पावनी प्रथम स्थान पर रही।

भिवानी। आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

चित्रकला में छात्राओं ने एक श्रेष्ठ नागरिक का संविधान के प्रति दायित्व को चित्रों के माध्यम से उकेरा। चित्रकला प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 12वीं की नियति व कनिष्ठ वर्ग में कक्षा सातवीं की भूमिका प्रथम स्थान पर रही।

श्रद्धालुओं ने भगवान के भजनों का आनंद लिया

भिवानी। नया बाजार स्थित चिड़ीमार गली के अंचल सदन में 18 जुलाई से चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ में कथावाचक एवं ज्योतिष आचार्य पंडित बृजमोहन कौशिक ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव और उनकी बाल लीलाओं का मनोहारी व्याख्यान किया। इस दौरान कथा पंडाल भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान के भजनों का खूब आनंद लिया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रेम मंडल भिवानी टोली के सदस्यों ने भजन गायक नर सिंह (नरेश) को सम्मानित किया। बिहारी लाल आचार्य ने बताया कि कथा में सानिध्य संन्यासी बाबा शोभा गिरी महंत का रहा।

कृषि क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं

- डॉ. करिश्मा नंदा ने विद्यार्थियों को कृषि में करियर बनाने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पलुवास, भिवानी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. करिशमा नंदा, जिला विस्तार विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी ने कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर चर्चा की।

अपने व्याख्यान के दौरान डॉ. नंदा ने बताया कि कैसे छात्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त कर एक सफल करियर बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इन संस्थानों के प्रवेश परीक्षा पैटर्न, कोर्स संरचना, और भविष्य में मिलने वाले रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। विशेष रूप से उन्होंने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का उदाहरण देते हुए वहां की प्रवेश परीक्षाओं के स्वरूप, उपलब्ध डिग्री कोर्सेस तथा उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कृषि केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें रिसर्च, एग्री-बिजनेस, कृषि इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, और खाद्य प्रौद्योगिकी जैसे अनेकों क्षेत्र शामिल हैं।

डॉ. नंदा ने यह भी कहा कि आगामी वर्षों में कृषि क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं और भी अधिक बढ़ेंगी, क्योंकि यह न केवल खाद्य सुरक्षा का आधार है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और नवाचार के लिए भी एक प्रमुख क्षेत्र बनता जा रहा है।

बीके विद्यालय में गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता माध्यमिक स्तर पर आयोजित की गई, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में कुल पांच राउंड रखे गए, जिसमें प्रथम दो राउंड बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तरी, तीसरे राउंड में सीमित समय में त्वरित गति से प्रश्नोत्तर पूछे गए। चौथे राउंड में प्रसिद्ध गणितज्ञ का चित्र दिखाकर उनसे संबंधित प्रश्न एवं उनके द्वारा प्रतिपादित सूत्र पूछे गए। पांचवें राउंड में सभा में उपस्थित विद्यार्थियों से मौखिक प्रश्न पूछे गए और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। नालंदा सदन से वत्सल, सिल्की, ईशान मेहता प्रथम, इंद्रप्रस्थ सदन से शौर्य, तेजस, दक्ष द्वितीय तथा शांतिनिकेतन सदन से एकलव्य, नायरा, साहिल शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य के महान गणितज्ञों का निर्माण इन्हीं कक्षाओं में होता है। विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थी कुछ ना कुछ सीखते रहते हैं। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संचालिका मीनू वालिया ने विद्यार्थियों को गणित गुरु श्री रामानुजन जी के बारे में जानकारी दी।

संस्कृत प्रवक्ता ने मां की याद में लगाए पौधे

- एक पेड़ा मां के नाम अभियान के तहत प्रवक्ता सुनील शास्त्री ने अपनी मां की स्मृति में किया पौधरोपण
- प्रकृति के साथ परिजनों की स्मृति को पोषित करने में सराहनीय है एक पेड़ मां के नाम अभियान : प्राचार्य सुमन शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सोमवार को महम गेट स्थित श्रीहरियाणा शेखावटी ब्रह्मचार्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में एक प्रेरणादायक पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संस्कृत प्रवक्ता सुनील शास्त्री ने अपनी दिवंगत माता स्व. धन कौर देवी की स्मृति में पौधे रोपित किए।

भिवानी। महाविद्यालय परिसर में पौधेरोपित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

कार्यक्रम के दौरान सुनील शास्त्री ने न केवल पौधे लगाए, बल्कि उनके संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी भी ली। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया कि ये पौधे फलें-फूलें और उनकी मां की स्मृति को चिरस्थायी बनाएं।

इस अवसर पर हिमांशु शेमवाल, पवन शर्मा, प्रवीण शर्मा, प्रतिमा शर्मा, डा. ललिता भारद्वाज, मीरा शर्मा, पारूल, राहुल यादव, रीतू शर्मा, तन्नु, जितेंद्र, दीपक सहित महाविद्यालय स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

मानव जीवन तभी सुरक्षित है, जब पेड़-पौधें संरक्षित रहेंगे: सुनील शास्त्री

इस मौके पर प्रवक्ता सुनील शास्त्री ने कहा कि पौधारोपण से ना केवल पर्यावरण स्वच्छ होता है, बल्कि युवा पीढ़ी को भी इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन तभी सुरक्षित है, जब पेड़-पौधें संरक्षित रहेंगे। ऐसे में प्रत्येक जन को किसी भी अवसर पर पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। वही प्रवक्ता सुनील शास्त्री की इस पहल का महाविद्यालय प्राचार्या सुमन शर्मा ने स्वागत करते हुए कहा कि यह पहल मात्र पौधारोपण से कहीं अधिक थी। यह अपनी मां के प्रति सुनील शास्त्री के गहरे प्रेम और सम्मान का प्रतीक थी, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एक पेड़ा मां के नाम अभियान उन सभी के लिए एक शक्तिशाली संदेश है जो प्रकृति के साथ-साथ अपने प्रियजनों के साथ अपने संबंधों को पोषित करना चाहते हैं।

जिगर का टुकड़ा खोने के बाद प्रशासनिक भरोसे से आहत संजय

हादसे के छह साल बाद भी नहीं मिला न्याय

- पुलिस के कलोजर रिपोर्ट की समनिंग से हुआ मामले का खुलासा, संजय ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पहले कहा करते थे कि अगर प्रशासनिक अधिकारी आश्वासन दे दे तो हर कोई यकीन करता था। समझा जाता था कि अधिकारी ने आश्वासन दे दिया, अब कार्य पूर्ण होने में कोई संदेह नहीं,लेकिन सरकारी अफसर के भरोसे के बाद भी मदद या न्याय न मिले तो अदालत पर ही केवल न्याय दिलाए जाने का राह दिखता है। ऐसा ही वाक्या बवानीखेड़ा का है। वर्ष 2019 में कस्बवासी संजय की नाबालिग बेटी वाल्मीकि चौपाल के गेट पर चढ़ कर खेल रही थी। अचानक गेट गिर गया और बेटी उसकी नीचे दब गई। बाद में गंभीर अवस्था में अस्पताल में दाखिल करवाया गया,लेकिन इलाज के दौरान बेटी के प्राण पखेरू उड़ गए। उक्त गेट कुछ दिन पहले ही लगाया गया था।

पीड़ित ने लापरवाही का आरोप सरकार, नपा सचिव व ठेकेदार के मत्थे मंढा और पुलिस में केस दर्ज करवा दिया। मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद सभी तरफ भगदड़ मची और मामले सुलटाने के प्रयास शुरु हो गए।

भिवानी। अदालत में केस दायर के बाद बाहर अपने अधिवक्ता के साथ आते पीडित संजय। *फोटो: हरिभूमि*

पुलिस का समन गया तो जगी आस

पीड़ित संजय ने बताया कि वह तो निराश होकर बैठ ही गया था। अचानक 15 मई 2025 को अदालत की तरफ से पुलिस वाला समन लेकर घर पहुंचा और बताया कि आप मामले को बंद करना चाहते है या चलाना। तब उन्होंने अधिवक्ता राजेश सिंधू से सम्पर्क करके अदालत में दोबारा केस चलाने के लिए कहा। 19 जुलाई को अदालत में अधिवक्ता राजेश सिंधू के माध्यम से अदालत में प्रोटेस्ट पेटीशन फाइल कर दी। अदालत ने संजय पक्ष की तरफ से गवाही के लिए 20 अक्तूबर तारीख मुकरर की। अब देखना ये है कि अदालत क्या फैसला देती है।

दुर्दिनों का दौर हुआ शुरु

पीड़ित संजय ने बताया कि नपा में अस्थाई नौकरी मिलते ही उसके दुर्दिनों का दौर शुरू हो गया। नौकरी ज्वाइन करने के कुछ दिनों बाद ठेकेदार ने जो ढाई लाख रुपये का चेक दिया था। उससे वापस लौटने के लिए दबाव बनाना आरंभ कर दिया। दबाव के चलते उसे चेक लौटाना पड़ा।

खबर संक्षेप

दूसरे सोमवार पर शिवमय हुआ दक्षिण काली मंदिर

भिवानी। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को कोंट रोड मिनी बायपास, काली माता मंदिर रोड स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर शिवभक्ति में लीन नजर आया। अलसुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर मंदिर पहुंचे और शिवलिंग पर जल, दूध, शहद, दही, घी, गंगाजल और बेलपत्र अर्पित कर भोलेनाथ से अपने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

बहल में कांवड़ शोभा यात्रा का आयोजन

बहल। बहल कस्बे से हरिद्वार, गंगोत्री व अन्य जगहों से पवित्र गंगाजल लेकर बहल पहुंचने पर कावड़ यात्रियों के सम्मान में भव्य कावड़ शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा में कावडियों के अलावा बड़ी संख्या में बहल कस्बे के लोग शामिल होंगे। शोभायात्रा को लेकर लोगों में उत्साह का संचार बना हुआ है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाएं

चरखी दादरी। जिला में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 के अंतर्गत फसल बीमा प्रक्रिया जारी है। योजना के अंतर्गत धान, बाजरा, मक्का, और कपास की फसल को बीमित फसलों की श्रेणी में रखा गया है। खरीफ 2025 में प्रदेश सरकार द्वारा फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि जिला के जिन किसानों को खरीफ 2025 में अपनी फसलों का बीमा करवाना है।

बाबा जहर गिरी मंदिर में विशेष पूजन का आयोजन

भिवानी। हालवास गेट स्थित सिद्ध पीठ बाबा जहर गिरी मंदिर धाम में श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भक्ति भाव और श्रद्धा से भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई। इस पावन अवसर पर शिवलिंग का गंगाजल युक्त पंचामृत, दूध एवं जल से अभिषेक किया गया। पूरे मंदिर परिसर में "हर-हर महादेव" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

बकाया बिजली बिल भरने की अपील

चरखी दादरी। क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी बिजली उपभोक्ताओं के लिए हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई सरचार्ज माफी योजना 2025 के तहत अब उपभोक्ता अपने पुराने बिजली बिलों का भुगतान केवल मूल राशि के आधार पर कर सकेंगे। योजना के अंतर्गत 31 अगस्त 2024 तक के बकाया बिजली बिलों पर लगाया गया पूरा सरचार्ज फ्रीज कर दिया गया है। इस योजना का लाभ 11 नवंबर 2025 तक लिया जा सकता है।

सभी सात ब्लॉकों में प्रदर्शन आज से : सुमेर

भिवानी। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के सचिव सुमेर आर्य, जिला वरिष्ठ उप प्रधान अंजू देवी व खंड प्रधान संजय गौरीपुर ने संयुक्त बयान जारी करते हुए बताया कि 22 जुलाई से जिले के सभी सातों ब्लाकों में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किए जाएंगे।

पेंटिंग व ईको प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

बाढड़ा। वन विभाग चरखी दादरी द्वारा सोमवार को बाढड़ा रेंज में स्थित सरकारी नर्सरी में जिला स्तरीय ईको प्रश्नोत्तरी व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन रेंजर हेमंत पारीक की अध्यक्षता में किया गया। इसमें विजेताओं को जिला परिषद चेयरमैन मंदीप डालावास ने पुरस्कार वितरण किया।

सामाजिक संगठनों ने शिवभक्तों की सेवा की

बाढड़ा। कस्बे के श्रावण माह में हर तरफ कांवडियों व शिवभक्तों की भीड़ नजर आ रही है। ग्रामीणों द्वारा लोहारु रोड़ स्थित हनुमान मंदिर के पास कांवड़ विश्राम शिविर में हजारों कांवडियों के जत्थे पहुंच कर आराम करते हैं। एचसीएस मनोज दलाल ने पहुंच कर कांवडियों से मुलाकात की।

विधायक कपूर वाल्मीकि ने किया विभिन्न गांवों में जलभराव क्षेत्रों का दौरा

बरसात के पानी की निकासी में न बरतें लापरवाही, लगाएं अतिरिक्त पंप: कपूर

बवानीखेड़ा। गांव तिगड़ाना में जलभराव का निरीक्षण करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि व खेल परिसर में जमा पानी देखते विधायक। फोटो: हरिभूमि

जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान व 50 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजें की मांग को लेकर सीएम से करेंगे मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बीते दिनों हुई बारिश से बवानीखेड़ा क्षेत्र में जलभराव की समस्या को लेकर सरकार गंभीर हो गई है। इसी क्रम में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बवानीखेड़ा क्षेत्र के गांव तिगड़ाना सहित विभिन्न गांवों का दौरा किया और जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें इस गंभीर समस्या से स्थाई निजात दिलाने का भरोसा दिया। साथ ही विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने अधिकारियों को जल्द से जल्द बारिश के पानी की निकासी करवाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी तरह की कोई कोताही व ढिलाई बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए। अगर ढिलाई बरती तो उनकी शिकायत सीएम कार्यालय में की जाएगी। वहीं विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल्द से जल्द विशेष गिरदावरी करवाएं। साथ ही विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी की निकासी के लिए अगर अतिरिक्त पम्प लगाने पड़े तो वे तत्काल पाइप लगाकर पानी की निकासी की व्यवस्था करें।

मुआवजें को लेकर सीएम से करेंगे मुलाकात

विधायक कपूर वाल्मीकि ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे मुख्यमंत्री से मिलकर उनके समक्ष जलभराव से बर्बाद हुई फसलों की ऐवज में 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग भी रखेंगे। चूंकि किसानों को बारिश का पानी जमा होने से फसलों का मोटा नुकसान हुआ है। विधायक कपूर वाल्मीकि ने अपने निरीक्षण के दौरान पाया कि कई गांवों में बारिश का पानी जमा होने से ग्रामीणों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। खेतों से लेकर गलियों तक में पानी भरा होने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने विधायक के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिसमें आवागमन में दिक्कत, फसलों को नुकसान और बीमारियों का खतरा शामिल है।

स्थाई समाधान के लिए प्रतिबद्ध

विधायक कपूर वाल्मीकि ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वे इस समस्या की गंभीरता को समझते हैं और इसके स्थाई समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और बवानीखेड़ा क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए मांग रखेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य केवल तात्कालिक राहत देना नहीं, बल्कि ऐसी योजनाएं बनाना है जिससे भविष्य में यह समस्या दोबारा उत्पन्न न हो। कपूर वाल्मीकि ने ग्रामीणों से धैर्य बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या का समाधान एक साझा प्रयास से ही संभव है, जिसमें प्रशासन, सरकार और ग्रामीणों का सहयोग आवश्यक है। इस अवसर पर सरपंच सुरेंद्र कुमार, पूर्व सरपंच प्रदीप, पूर्व सरपंच नेत्रपाल, नवीन ठेकेदार, विनोद पिंकू पीटीआई, विनीत तंवर, राजेश मास्टर, राकेश वाल्मीकि, कर्मवीर तिगड़ाना, नरेंद्र चेयरमैन, अभिषेक तंवर, नेत्रपाल, बजरंग, सूरज, सोनू तालु, पूर्व सरपंच जयदेव जाटू लुहारी, कप्तान रवींद्र सिंह, संदीप मुंढ़ाल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

तोशाम। शिवरात्री पर्व पर हरिद्वार से कावंड लाने वाले लगे पहुंचने। फोटो: हरिभूमि

तोशाम में कांवड़ियों का आवागमन हुआ प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

- बम-बम के जयकारों से गुंजायमान होने लगा तोशाम बाजार
- भोलेनाथ को श्रावण मास अत्यंत प्रिय, श्रावण मास में की गई भोलेनाथ की पूजा-अर्चना विशेष फलदाई: रामकिशन

श्रावण मास की शिवरात्रि के नजदीक आते ही कस्बे में कांवड़ियों का आवागमन प्रारंभ हो गया है। वहीं कस्बे में विभिन्न जगहों पर कांवड़ियों की सेवा के लिए विभिन्न शिविर भी आयोजित किए गए हैं। जिसके चलते कस्बे में जगह-जगह बम-बम के जयकारे गुंजायमान होने लगे हैं। श्रावण मास एवं शिवरात्रि पर्व के बारे में जानकारी देते हुए तोशाम के एकमात्र दक्षिणमुखी संकटमोचन मेहंदीपुर बालाजी दरबार के महंत पंडित रामकिशन महाराज गोवर्धन-मथुरा वाले ने बताया कि भोलेनाथ को श्रावण मास एवं शिवरात्रि पर्व अत्यंत प्रिय है। श्रावण मास के दौरान भोलेनाथ को बिल्वपत्र, भांग, आक-धतूरा आदि अर्पित करते हुए भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करना शिवभक्तों के लिए अत्यंत फलदायक है। पंडित रामकिशन महाराज ने बताया कि शिवभक्तों के लिए श्रावण मास एवं शिवरात्रि पर्व भोलेनाथ को प्रसन्न करने का विशेष अवसर है। इसी कड़ी में तोशाम के भिवानी-हिसार बायपास मार्ग पर स्थित प्रभु कृपा कॉलोनी में आनंदेश्वर शिव महादेव मंदिर में श्री श्याम सुंदर समिति द्वारा मंगलवार 22 जुलाई शाम 7 बजे शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर भंडारा एवं जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न गायक कलाकार बाबा भोलेनाथ का अपनी मधुर वाणी में गुणगान करेंगे तो इस दौरान बाबा भोलेनाथ का भोग लगाकर भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें अनेक भक्तगण बाबा भोलेनाथ का प्रसाद ग्रहण करेंगे।

फुटबाल प्रतियोगिता में दिखाया दम

- बीआरसीएम बहल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

बीआरसीएम पब्लिक स्कूल ज्ञानकुंज में लडक़ों की अंडर 14 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी सदनों के खिलाडिय़ों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शिवाजी सदन अव्वल रहा। बीआरसीएम खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य राजेश झाझडिय़ा ने किया। उन्होंने खिलाडिय़ों को खेल भावना का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों को पढाई के साथ अपने शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेलों में रूचि लेनी चाहिए। प्रतियोगिता में खिलाडिय़ों ने अपने अपने हाऊस की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा शिवाजी सदन को पहला, प्रताप सदन को दूसरा व टैगोर सदन को तीसरा स्थान दिया। प्रतियोगिता में खेल प्रशिक्षक नरेश कुमार व जसविंदर सिंह ने मैच रेफरी की भूमिका निभाई। हिंदी शिक्षक जोगेन्द्र सिंह की प्रतियोगिता के सफल संचालन में अहम भूमिका अदा की। संस्थान निदेशक डॉ. एसके सिन्हा ने विजेता खिलाडिय़ों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बहल। फुटबाल मैच में फुटबाल को कीक लगाता एक खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

किसान सभा ने जलभराव की समस्या उठाई

- सिंचाई व बिजली विभाग के अधिकारियों की तालमेल कमेटी बनाकर समस्याएं हल करने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी ने धनाना, बडेसरा, घुसकानी, गुजरानी, प्रेमनगर व अन्य गांव में जलभराव की समस्याओं के समाधान के लिए जिला उपायुक्त द्वारा संचालित समाधान शिविर में उठाई तथा उपस्थित डीआरओ के सामने रखा कि किसान सभा ने 17 जुलाई को उपायुक्त को उपरोक्त गांव में बिजली उपलब्ध करवाने तथा सिंचाई विभाग से पानी निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में मोटरें उपलब्ध करवाने के लिए मांग पत्र दिया था, परंतु आज तक इस संबंध में कोई कार्यवाही नहीं हुई। किसान दोनों संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे है, उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। समाधान शिविर में विभिन्न गांव के जलभराव पीड़ित किसानों की तरफ से समस्याएं रखते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि जलभराव गांवों में पानी निकासी के लिए बिजली विभाग व सिंचाई विभाग का तालमेल नहीं होने के कारण किसानों को बिजली कनक्शेन व बिजली मोटरें उपलब्ध नहीं हो रही है। वे दोनों विभागों के अधिकारियों के चक्कर लगाकर थक चुके है, धनाना सामैण लिंक ड्रेन पर 100 किलोवाट का ट्रांसफार्मर लगवाने, तीन अतिरिक्त बिजली मोटरें उपलब्ध करवाने, घुसकानी में चार बिजली मोटरें उपलब्ध करवाने की मांग की।

भिवानी। उपायुक्त को मांगपत्र देने जाते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि कुछ सिंचाई एवं बिजली विभाग के अधिकरियों की तालमेल कमेटी बनाएं और पीड़ित किसानों को उनके फोन नंबर दिए जाएं, ताकि किसान उनसे संपर्क करके अपनी समस्यायों का समाधान करवा सकें। उन्होंने शिविर में मांग की कि फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला जाए, जलभराव गांव की विशेष गिरदावरी करवाते हुए 50 हजार रुपये प्रति एकड़ पीड़ित किसानों को मुआवजा दिया जाए। इस अवसर पर गुजरानी से किसान सतबीर सिंह, प्रेम नगर से राजकुमार ढुहन, धनाना से कृष्ण घनघस, धीरा सिंह, किसान सभा के ब्लाक सचिव प्रताप सिंह सिंहमार, साहिल, राहुल व फुल कुमार धनाना उपस्थित रहे।

सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का संकल्प

- भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक का हालुवास में 36 बिरादरी ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव हालुवास में सोमवार को भाजपा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक का गांव हालुवास की ओर से स्वागत कियागया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर जिलाध्यक्ष का फूल-मालाओं और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। सम्मान समारोह में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने ग्रामीणों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हालुवास के ग्रामीणों ने उन पर जो विश्वास और सम्मान दिखाया है, वह उसका सदैव मान रखेंगे और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। कौशिक ने कहा कि उनका लक्ष्य सभी वर्गों को साथ लेकर चलना और क्षेत्र के विकास को गति देना है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कौशिक ने हाल ही में भिवानी में आयोजित हुई श्री दक्ष प्रजापति जयंती पर निकली रैली को सफल बनाने के लिए भी उपस्थित जनसमूह और पूरे जिले के कार्यकर्ताओं का विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस रैली की सफलता ने समाज में एकता और सद्भाव का मजबूत संदेश दिया है।

भिवानी। हालवास पहुंचने पर जिला अध्यक्ष का स्वागत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर महामंत्री रमेश पचेरवाल, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा, हरनंद सिंह, बजरंग मैनेजर, रामोतार जेई, जगदीश प्रसाद, कलवा पंच मरीड़ा, पवन राज, अमित जेई, सतपाल यादव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त को किया नमन

- क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त की शौर्य गाथा दिशा दिखाती रहेगी : रीतिक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भाजपाइयों ने स्वाधीनता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त को उनकी पुण्यतिथि पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया ! नमन करते हुए पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने कहा कि महान राष्ट्रवादी क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त जी को उनकी पुण्यतिथि पर, अंग्रेजी शासन के खिलाफ उनके साहसपूर्ण संघर्ष को भाजपा कार्यकर्ता सादर नमन करते है । उन्होंने कहां की महान स्वाधीनता सेनानी, अद्भुत साहसी और असंख्य युवाओं के प्रेरणा स्रोत बटुकेश्वर दत्त को उनकी पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।भगत सिंह जी के साथ दिल्ली की केंद्रीय विधान सभा में बम फेंककर अंग्रेजी हुकूमत के होश उड़ाने वाले बटुकेश्वर दत्त जी के लिए माँ भारती की स्वतंत्रता और राष्ट्र के स्वाभिमान से बढ़कर कुछ भी नहीं था। काला पानी की यातना भी स्वाधीनता के उनके संकल्प को डिगा न सकी और सेलुलर जेल में उन्होंने कैदियों के अधिकारों के लिए लंबी भूख हड़ताल की। इस अवसर पर विजय अरोड़ा , एडवोकेट संदीप यादव ने भी माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया।

भिवानी। बटुकेश्वर दत्त के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बैठक में सामाजिक कुरीतियों और युवा भटकाव पर जताई चिंता

सांगवान खाप-40 की बैठक में किया मंथन

- सामाजिक बुराईयों के खिलाफ जागरूकता अभियान छेड़ेगी सर्व खाप

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सामाजिक कुरीतियों के बढ़ते प्रभाव और युवाओं के पथभ्रष्ट होने की गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सांगवान खाप-40 की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को चरखी दादरी के गांव खेड़ी बूरा स्थित दादा सांगू धाम में आयोजित की गई। इस बैठक में दादरी जिले के सर्व खाप प्रधानों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई। बैठक की अध्यक्षता सांगवान खाप-40 के प्रधान सोमबीर सिंह सांगवान ने की तथा मंच का संचालन सचिव नर सिंह डीपीई ने किया। बैठक के दौरान सर्व खापों के प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की कि लोहारू व बाढड़ा में जारी किसानों के धरने पर गौर करते हुए किसानों की सभी मांगें जल्द से जल्द पूरी करें। सांगवान खाप-40 के सचिव नर सिंह डीपीई ने बताया कि बैठक के दौरान धर्मांतरण, एक गौत्र-एक गांव में युवक-युवती का विवाह करना, प्रेम विवाह, फुहड़ साहित्य के गानों को डीजे पर बजाना सहित विभिन्न सामाजिक बुराईयों पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई तथा मिटाने पर जोर दिया गया।

भिवानी। जागरूकता अभियान चलाने को लेकर आयोजित बैठक में लोगों को संबोधित करता एक वक्ता। फोटो: हरिभूमि

कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने पर दिया जोर

सांगवान खाप-40 के प्रधान सोमबीर सिंह सांगवान ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में समाज में व्याप्त बुराइयों के निदान और युवाओं को सही राह पर लाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर विचार-विमर्श करना था। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन और युवाओं का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है, ताकि एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता लाने के लिए सर्व खापों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी, जिसमें विभिन्न खाप, पंचायतों व आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। जिनमें शिक्षा, नशा मुक्ति और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया जाएगा। उनका मानना है कि युवाओं को सही दिशा देने और उन्हें समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाने में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

18 दिन बाद भी नहीं लगा मेघनाद का सुराग

- मॉडल संस्कृति स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र है मेघनाद

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

मॉडल संस्कृति स्कूल में सातवीं कक्षा में पढऩे वाले शहर के सात नंबर चुंगी निवासी 12 वर्षीय मेघनाथ का 18 दिन बाद भी कोई सुराग नही लग पाया है। लोहारू पुलिस भी मेघनाद की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी है।

लापता लाडले को लेकर उसकी दादी पिता देवाराम, बुआ रेखा टंडन काफी परेशान है। परिजनों ने बताया कि वे अपने लाडले मेघनाथ की आसपास के इलाके में काफी तलाश कर चुके हैं लेकिन वह नही मिला है। जिसके कारण पूरा परिवार काफी परेशान है।

उन्होंने सामाजिक संगठनों के लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से मेघनाद की तलाश में सहयोग करने की अपील की है।

लापता मेघनाद का फाइल फोटो।

- परिजनों ने सामाजिक संगठनों के से मेघनाद की तलाश की लगाई गुहार